भाषा वैज्ञानिक निकष पर स्फोट सिद्धान्त

प्रियंका राय

आधुनिक पश्चिमी वैयाकरण भाषा विज्ञान सम्बन्धी धारा को लेकर स्फोट की व्याख्या करते है। जे0 ब्रफ ने स्फोट को ''फोनेमिक सिक्वेन्स'' नाम दिया है। इन आधुनिक भाषा वैज्ञानिक का मत है कि पतञ्जलि और भर्तृहरि के अनुसार स्फोट ''यूनिट साउण्ड अथवा वर्ण पद या वाक्य की इकाई के रूप में ही ग्रहीत होता है और निश्चयतः यह अर्थ के रूप में स्फोट सम्बन्धी पूर्ववर्ती धारा को भाषा के आकृत्यात्मक स्तर से उठकर अर्थात्मक स्तर पर ला पटका है। ये परवर्ती वैयाकरण स्फोट के स्वरूप को भाषा के अर्थात्मक रूप से जोड़ते है और अन्ततः इन लोगो ने शब्द के स्थूल रूप को सिद्धान्त से जोड दिया है (उपस्थित कर दिया है)। स्फोट की निम्नस्तरीय सत्ता की इन लोगो ने शब्दब्रह्मरूप चरम (सर्वोच्च सत्ता के साथ एकीकृत बना दिया है। परिणामस्वरूप आधुनिक संस्कृतज्ञों की यह भ्रान्त धारणा बन गयी है कि स्फोट सिद्धान्त रहस्यमय है।)